impact
www.impactmeasurement.co.in

Date : 01-May-2009 Edition : Delhi Page No.: 7 Page Name: Desh Size: 110.57 sq. cm

Sector: Pharma Healthcare and Biotech Circulation: 325766 AVE: Rs.58047.62 Frequency: Daily

Publication: Hindustan Title: School Children scare to Sanno’s death

हिन्दुस्तान

सन्नो की मौत से सहमे हुए हैं स्कूली बच्चे

सुषमा वर्मा नई दिल्ली

स्कूल में दी गई शारीरिक प्रताड़ना की वजह से हाल में हुई सन्नो की मौत और कुछ स्कूलों द्वारा कथित उत्पीड़न के कारण बच्चों द्वारा आत्महत्या की घटनाओं ने बच्चों को झकझोर कर रख दिया है। अपनी सुरक्षा को लेकर चिंतित ये बच्चे अपने ऊपर हो रहे किसी भी तरह के अत्याचार से मुक्ति चाहते हैं। वे नहीं जानते कि सरकार ने बच्चों की सुरक्षा के लिए जो योजनाएं शुरू की हैं, वे वास्तव में हैं या सिर्फ कागजों तक ही सीमित हैं। ऐसे में सरकारी और निजी स्कूलों के बच्चों की मांग है कि बच्चों की बजाय उन लोगों की काउंसलिंग हो जो बच्चों को शोषण और हिंसा का शिकार बनाते हैं।

कान्वेंट स्कूल में पढ़ने वाली राखी की समस्या यह है कि उसके माता-पिता के काम पर चले जाने के बाद उसे दादा-दादी की डांट खानी पड़ती है। सरकारी होम में भी बच्चों का शोषण देख चुकी प्रेमा को चिंता अपनी सुरक्षा की है। ये बच्चे नहीं जानते कि अपनी समस्याओं को लेकर कहां जाएं और किससे शिकायत करें। घर-बाहर और स्कूलों में हर जगह बच्चों पर बढ़ रही हिंसा को देखते हुए गैर सरकारी संस्थाओं चेतना और प्लान इंडिया ने संवाद कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम में 15 स्कूलों के करीब 50 बच्चों ने अपनी सुरक्षा को लेकर अनेक सवाल उठाए और उनका समाधान जानने का प्रयास किया। मैक्स अस्पताल की क्लीनिकल साइक्लोजिस्ट लवप्रीन कौर ने बताया कि मैक्स द्वारा एक निःशुल्क कार्यक्रम शुरू किया गया है, जिसमें बच्चों को गुस्सा कम करना सिखाया जाता है। बच्चों के साथ हो रही हिंसा को रोकने के लिए अभिभावकों और अन्य वयस्कों की काउंसलिंग भी जरूरी है।

© Hindustan www.hindustandainik.com